मैथिली मे पहिल इ-पेपर

समाद

पटना, 29 फरबरी, 2008 ▯ सप्ताहिक ▯ अंक-4 ▯ साल-1 ▯ इनटरनेट संस्करण ▯ पेज-6

मारीशस स संबंध के भटल नव आयाम 2

3 आर्थिक रूप स मगध मिथिला स मजबूत

ज्ञान आ समृद्धिक केंद्र बनत बिहार : कलाम

नालंदाक पुनर्जागरण दरअसर बिहार मे शिक्षाक पुनर्जागरण थीक. बख्तियार जनैत छल जे मगध पर स्थायी रूप स राज तखने संभव अछि, जखन इ सामज के मूर्ख बनाउल जाइत. इतिहास गवाह अछि जे मगध मे परिवर्तन मे हथियार स बेसी बुद्धिक योगदान रहल अछि. नालंदा विवि के नस्तनामूद करबा लेल बख्तियार तीन साल तक लागल रहल. मूर्ख समाज पर शासन करबाक बख्तियारक नीति लालू प्रसाद तक कायम रहल. समाज के मूर्ख बनाके राज करबाक नीतिक अंत करबाक प्रयास नालंदा स भ रहल अछि. इ एकटा संयोग मात्र नहि अछि. एकरो पाछु शिक्षा अछि.

समदिया

पटना/नालंदा : एकटा सपना छल से पूरा भ रहल अछि. नालंदा विश्वविद्यालय जमीन पर उतरि रहल अछि. पिछला सप्ताह पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम विधिवत रूप स एकर पहिल विजिटरक पदभार ग्रहण केलथि. एहि अवसर पर अपन नालंदा दौराक कम मे ओ कहलथि जे बिहार एक बेर फेर ज्ञान आओर समृद्धिक केंद्र बनत.

नालंदा विविक पहिल कार्यकारणीक बैठक पूरनका नालंदा विविक खंडहर मे आयोजित केल गेल. एकर संगहि डॉ कलाम के नवका विविक लेल अधिग्रहित आ प्रस्तावित जमीन सेहो देखाउल गेल. एहि अवसर पर हुनका एकटा पावर प्रजेंटेश्नक माध्यम स विविक प्रस्तावित स्वरूप से अवगत कराउल गेल. एहि अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आ अनेक लोक उपस्थित छलाह.

बाद मे पत्रकार सब स गपशप मे कलाम कहलथि ने विविक स्वरूप विलक्षण अछि. जमीन अधिग्रहण करबा मे किदु स्थानीय समस्या अछि, मुदा ओहि स बेसी पैघ हमर सबहक उद्देश्य अछि. ताहि लेल एकर जल्द निराकरण कैल जाइत. डॉ कलामक अनुसार हुनकर इच्छा छैन जे विविक परिसर स सटल एकटा छोट सन पहाड़ी के सेहो परिसरक भीरत केल जाय, ओहि पहाड़ी पर विविक छात्र लेल ध्यान केंद्र बनाउल जाइत, ओना विवि मे तीन टा अलग-अलग पार्क बनाउल जाइत. एकटा पार्क सूचना व प्रौद्योगिकी, दोसर मस्तिष्क के प्रयोग आओर तेसर पार्क सभ्यताकमिलन स संबंधित होयत. डॉ कलामक अनुसार जेना पुरनका विवि विकिरणक केंद्र छल, नवका विवि ओहि स अलग नहि होयत.

नालंदा स लौटलाक उपरांत पटना मे निदेशक मंडलक बैठक मे विविक शैक्षणिक गति. विविक संबंध मे चर्चा कैल गेल. बैठक मे तय भेल जे अगिला सत्र स विवि मे पढ़ाई शुरू भ जाइत. एकरा लेल विवि परिसरक चाहरदीवारीक निमार्ण जल्द पूरा करबाक आदेश पारित कैल गेल. एकर अलावा शैक्षणिक सत्र शुरू करबा लेल जे आधारभूत संरचनाक आवश्यकता छैक ओकरा विकसित करबा लेल प्रयास तेज करबाक निर्णय लेल गेल.

बैठक में आर्थिक मदद स संबंधित सवाल पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क कहब छलैन जे विवि लेल तत्काल 80 करोड़ टाकाक आवश्यकता छैक. एहि बजट मे किछु राशि देल जा चुकल अछि.शेष राशि लेल विभिन्न देश स मदद भेटबाक आश्वासन भेटि रहल अछि. ओना विविक स्थापना लेल टाकाक कमी नहि होइत.

जमीन देख गदगद भेला डॉ कलाम

प्रस्तावित स्वरूप आ जमीन के देख डॉ कलाम गदगद भ गेलाह. ओ नालंदाक प्राकृतिक स्वरूप स एतेक प्रभावित भेल जे विविक प्रस्तावित जमीन स बाहर स्थिति एकटा पहाड़ी के सेहो ध्यानकेंद्र बनेबा लेल विविक लेल अधिग्रहित करबाक मुख्यमंत्रीक समक्ष प्रस्ताव रखलथि.

नालंदा : समतल मैदानी जमीन आओर ओकर पाछू वैभवगिरी पहाड़. सदियों पहिने एहि स्थान पर बौद्ध परिषदक पहिल बैठक भेल छल. आब एहि समतल मैदान पर नालंदा विविक आधारशीला रखल जा रहल अछि. विविक पहिल विजिटर डॉ कलाम अपन पदभार ग्रहण करबा लेल जखन एहि ठाम पहुंचलाह त प्रस्तावित जमीन के देख गदगद भ गेलाह. पहिल नजरि मे हुनका प्रस्तावित परियोजना पसीन पड़ि गेल. हुनकर मुंह स बस एकटा वाक्य निकलल- अति सुंदर. नालंदाक प्राकृतिक छटा से माहित भ कलाम अपन उदगार के नुका नहि सकलाह. हुनक नजरि एकटा छोट सन पहाड़ी पर जा गरल. ओ बगल मे चलैत मुख्यमंत्री स कहलथि जे कि हम सब एहि पहाड़ी के विवि परिसरक अधीन रखलहु अछि.

मुख्यमंत्री संकुचित भाव स उत्तर देलथि जे तत्काल त इ पहाड़ी विविक परिसर मे शामिल नहि अछि, मुदा अहांक इच्छा अछि त एकरा शमिल करबाक प्रयास कैल जाइत. एहि संबंध मे नालंदाक डीएमक कहब छैन जे इ पहाड़ी डॉ कलामक इच्छाक अनुसार परिसर मे शमिल केल जाइत, जेकरा लेल बाधा बनल रेल पटरी क उपर से एकटा पुल बनाउल जा सकैत अछि. एहि लेल मुख्यमंत्री रेल मंत्री स गप करताह.

डॉ कलाम के सपना नालंदा विविक पुनर्जागरण लेल राज्य सरकार एखन धरि राजगीर स करीब पांच किमी दूर पिलखी गाम मे 452 एकड़ जमीनक अधिग्रहण करि चुकल अछि आओर करीब 600 एकड़ जमीनक अधिग्रहण होयब बाकी अछि. ओना अधिग्रहणक प्रकिया एक सालक भीरत पूरा करि लेल जाइत.

इट्स ब्यूटीफुल साइट

सात प्रभाग मे बटत विवि

नालंदा : नालंदा विवि मे अगिला सत्र स पढ़ाई शुरू भ जाइत. एहि विवि के कुल सात प्रभाग मे बांटल गेल अछि. जाहि मे करीब 50 विषयक पढ़ाई होयत. निदेशक मंडलक बैठक के बाद विविक पहिल विजिटर डॉ कलाम कहलथि जे विवि अपन उद्देश्य के पूरा करबा लेल प्रयासरत अछि. हुनक अनुसार विवि के बौद्ध दर्शन, अंतराष्ट्रीय अध्ययन, भाषा विकास अध्ययन, पर्यावरण, मानविकी व सामाजशास्त्र, इंजीनियरिंग आओर प्रबंधन जेहन सात प्रभाग मे बांटल गेल अछि, जाहि मे 50 स बेसी विषयक पढ़ाई होयत. डॉ कलामक अनुसार विवि परिसर मे एकटा छोट सन हवाई अड्डा सेहो होयत. डॉ कलामक कहब छैन जे नालंदा विवि एकटा अंतरराष्ट्रीय संस्थान थिक, एहि मे राज्य या देश टा स नहि बल्कि विदेश तक स छात्र पढबा लेल आउताह. इ विवि बौद्धिक समागम, संस्कृति आआ ेर सभ्यताक केंद्र बनल जा रहल अछि. एकरा लेल हमरा सब के एकजुटता स प्रयास करय परत.

थाल फेकनिहार किसान नहि छल

नालंदा : राजगीरक पिलखी गाम मे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कैल गेल हमला सुनियोजित छल. एकर जानकारी जिला प्रशासन लग सेहो छल, मुदा जिलाधिकारी एकरा एकटा सामान्य प्रदर्शन मानि कोनो सुरक्षात्मक व्यवस्था नहि केलथि. एतबे नहि जिलाधिकारी घटना स पूर्व तक मुख्यमंत्री के गलत सूचना दैत रहलाह. मुख्यमंत्री पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम आओर अन्य पदाधिकारी संग बैठक के छोड़ि जिलाधिकारी स प्रदर्शन केनिहार स गप करबा लेल जिलाधिकारी के कहलाह त ओ मुख्यमंत्री के सब किछु ठीक अछि कहि मामला सलटेबाक प्रयास केलथि, मुदा मामला शांत नहि होइत देख मुख्यमंत्री अपने आगू बढ़ला आ प्रदर्शन केनिहार लोक के इ कहबाक प्रयास करि रहल छलाह जे एखन बाहर स लोक सब आयल अछि अगर किदु हमरा लोकनिक बीच समस्या अछि त ओकर हल बाद मे बैस के निकालल जाइत, मुदा इ गप सुनबा स पहिने सुनियोजित ढंग स हुनका पर हमला भेल. एकटा ढेपा मुख्यमंत्रीक माथ मे जा लागल.

बाकी पेज तीन पर

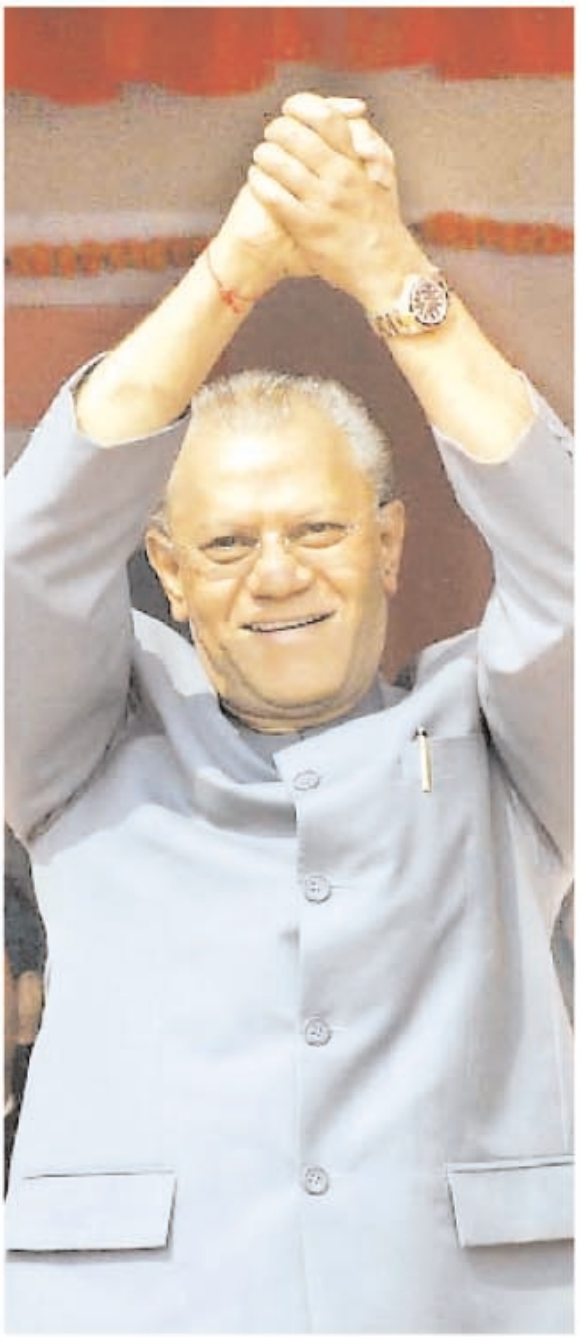

हे मातृभूमि स्वीकारू प्रणाम

अपन माटी आओर अपन जड़िक महत्व की हाइत अछि, एकर प्रत्यक्ष उदाहरण पिछला सप्ताह हरिगाम मे देखबा मे भेटल. हरिगामक लोक अपन माटी स अथाह स्नेहक अविस्मरणीय क्षण के अपन आंखि मे कैद करबा मे सफल रहलाह. अपन मूल गाम पहुंच मारीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामग ुलामक आंखि छलकि गेल. हुनक बोल लटपटे लागल, चालि डगमगे लागल. किछु काल धरि गामक रूपरंग देखलाक बाद श्री रामगुलाम अपन हाथ उठा उपस्थित जनसमुदायक अभिवादन स्वीकार केलथि. हुनक हावभाव स साफ देखार होइत छल जे ओ एकटा प्रधानमंत्रीक रूप मे नहि, बल्कि गामक बेटाक रूप मे लोक–वेदक समक्ष आयल छथि. अपना के स्थिर करबाक प्रयास करैत श्री रामगुलाम गामक लोग स लटपटाइत बोल स कहलथि – हम अपन गाम जरूर छोड़ि देलहुं, मुदा भाषाक आंचरि धेने छी. अहां सब लग आबि के हमर जीवन सफल भ गेल.

आरा/सीवान : किछु दिन पहिने तक बिहारक एकटा सामान्य गाम छल हरिगाम, मुदा आइ इ गाम बिहारक नाक बनि गेल अछि. पूरा बिहार आइ एहि गाम पर गुमान करैत अछि. कारण साफ अछि, मारिशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अपन गाम आबि एकरा नव पहचान प्रदान केलथि. राज्य सरकारक संगहि हरिगाम लोकवेद एकरा मनस सजउने छल. अयोध्या मे रामक लौटला पर दीपावली मनाउल गेल छल, ओहि दिन किछु एहने भाव देखबा मे आयल हरि गाम मे. श्री रामगुलाम जेखने हाथ उठा भोजपुरी मे बजलाह, मानू पूरा गाम खुशी स कानय लागल. चारि दिन लेल मुंबई आआ ेर पंजाब गेलाक उपरांत बेटाक भाषा बदलि जाइत अछि, मुदा तीन पीढ़ीक बाद लौटल बेटाक मुह स अपन भाषा सुनि आशा देवीक आंचर नोर स भींज गेल. हुनका मन मे संदेह मात्र नहि बचल जे कि हुनकर कुलक दीपक आइ गाम आयल अछि.

श्री रामगुलाम जखन अपन दादा आओर पिताक संघर्षक खिस्सा सुनबैत छलाह, त भीड़ मे शामिल युवा शांत भाव स ओकरा ग्रहण करैत गेल. श्री रामगुलाम कहलथि जे जीवन एकटा सैनिकक संघर्षक जेकां अछि. एहि मे हमरा लोकनि के जीतबाक अछि. हमरा सब भाग्य पर विश्वास करैत छी, लेकिन भाग्य के कखनो कमजोर नहि बुझबाक चाही. ओ कहलथि जे हुनकर पूर्वज अपन खून आओर पसीना स मारिशस के तैयार केलथि अछि. अहां सब चाहब त बिहार के विकसित होइ स कियो नहि रोकी सकैत अछि जरूरत अछि विकास लेल एकजुटता स प्रयास करबाक आ मन मे एकरा लेल इच्छा जनमेबाक. श्री रामगुलाम गामक लोक के संगहि पूरा बिहारक लोकवेद स कहलथि – हमर इच्छा अछि जे बिहार विकसित राज्य बनेय, एकरा लेल अहां सब एखने स जुटी जाउ, हम अपना के बिहार स अलग नहि मानैत छी, भोजपुरक संग हम पूरा बिहार के विकसित देख चाहैत छी. ओना एखन तत्काल हम अपना दिस स हरिगामक विकासक लेल एक करोड़ टाका द रहल छी. एहि टाका स गाम मे स्कूल आ अस्पताल खोलल जाइत.

एहि स पूर्व स्थानीय स्टेडियम मे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार श्री रामगुलाम के तिलक लगा के गाम मे विधिवत स्वागत कलथि. एहि अवसर पर श्री रामगुलामक पत्नी वीणा रामगुलाम सेहो छलीह. श्री रामगुलामक संग 50 गोटे के एकटा प्रतिनिधिमंडल सेहो आयल छल.

अपन गाम पहुंचला पर सबस पहिने श्री रामगुलाम अपन पुरोहित स्वामीजीक डेरा पर गेलाह. ओहिठाम स ओ सीधा हनुमान मंदिर गेलाह. हनुमान मंदिर मे पूजा–पाठ केलाक बाद श्री रामगुलाम पटना लेल विदा भ गेला.

कटोराधारी स्थानीय बुद्धिजीवी पर लाज होइत अछि

पटना : राम गुलामक बिहार यात्रा एकटा सामान्य घटना नहि अछि. मुदा बिहार क किछु बुद्धिजीविक के इ एकटा सामान्य आओर गैर जरूरी यात्रा बुझाइत छैन. किछु वामपंथी मित्र इ यात्रा के पूंजीवादी व्यवस्थाक प्रचारक रूप मे देखैत छथि. दरअसर इ ओ जमात छी जे विदेशी अथवा देशी केकरो बिहार पहुंचलाक संगहि भीखक कटोरा सामने राखि देबाक प्रयास करैत अछि आ भीख नहि भेटला पर यात्रा के व्यर्थ करार द दैत अछि. एहन लोग रामगुलामक सन नेता स अपेक्षा रखैत अछि जे ओ बिहार एलसक बाद करोड़ो टाका दान स्वरूप देताह आओर गरीबक विकासक नाम पर बुद्धिजीविक लेल आय के स्रोत तैयार करताह. मुदा एहि यात्राक दौरान एहन किछु नहि भेल. इ यात्रा पूर्ण रूप स भावनात्मक आओर सारस्कृतिक छल. न बिहार हुनका स एहन अपेक्षा एखने छल आओर न श्री रामगुलाम बिहार के आर्थिक नजरि स देखबाक प्रयास केलथि. पूरा बिहार के कटोराधारी एहन बुद्धिजीवी पर लाज होइत अछि.

पटना के गांधी मैदान मे आयोजित बिहार–मारीशस सांस्कृतिक कार्यक्रमक उद्घटन करैत नवीनचंद्र राम गुलाम आओर वीणा रामगुलाम. संग मे आरएस गवई, श्रीमती गवई आओर नीतीश कुमार

भरल नोर आंखि मे, डेग डगमगायल कहलथि गुलाम छी, जल्द फेर आयब

गया : हमरा लेल इ अविस्मरणीय यात्रा रहल. जीवन मे कहियो इ यात्रा के नहि बिसरी सकब. एकरा लेल हमरा लग मे कोनो शब्द नहि अछि. गया हवाई अड्डा पर मारीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलामक पत्रकारक अनेक प्रश्नक बस एतबे कहैत हाथ जोड़ि लेलथि. मुदा दू कदम चलललाक बाद हाथ जोड़ने नीतीश कुमार के देखि हुनक आंखि डबडबा गेल. नीतीश के हाथ पकड़ि श्री गुलाम सबस पहिने मातृभूमि स दर्शन करैबा लेल हुनका धन्यवाद देलथि, फरे कहलथि जे इ यात्रा एतबे धरि छल, मुदा आब बाट देखल भ गेल, अबैत–जाइत रहब. श्री रामगुलाम मुख्यमंत्री के मारीशस एबा लेल आमंत्रित केलथि, संगहि बिहार फेर एबाक वादा संग जहाज दिस विदा भ गेलथि. जहाज आसमान मे चल गेल, मुदा बिहारक धरती पर एकटा संदेश छोड़ गेल जे बिहारक लोक चाहे कतहु, केतबो दिन स किएक न रहै, ओ अपन देस के नहि बिसरी सकैत अछि.

संबंध के भटल नव आयाम

पटना : मारीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अपन तीन दिवसीय बिहार दौरा के आखरी दिन बिहार आओर मारीशस के बीच स्थापित संबंध के नव आयाम प्रदान केलेन. बिहार आओर मारीशस के बीच भावनात्मक संबंध मे और मजबूत बनेबा लेल एकटा संयुक्त सांस्कृतिक केंद्र खोलबाक निर्णय लेल गेल. एकर माध्यम से मारीशस मे बसल बिहारी के अपन मूल गामक संबंध मे जानकारी देबाक प्रयास केल जाइत. एकरा संग–संग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहलथि जे अगिला साल स मारीशस के राष्ट्रपिता शिवसागर रामगुलामक जयंती राजकीय पर्वक रूप मे मनाउल जाइत.एहि अवसर पर अपन भावना प्रकअ करैत नवीनचंद्र राम गुलाम कहलथि जे हुनकर तीन पीढ़ी आब बिहार मे स्थापति भ गेल. हुनक दादा मोहित बाबूक नाम पर गाम मे अस्पताल बनत, पिताक प्रतिमा गांधी मैदान मे लगल आओर हुनकर नाम स पटनाक एकटा सड़क चयनित भेल अछि. ऐहन मे बिहार स हुनकर संबंध दिनोदिन मजबूत भ रहल अछि. अपन विदागरी स पूर्व ओ बिहार के डॉक्टर स ल के मजदूर तक के मारीशस मे काज करबा लेल आमंत्रित केलथि. श्री गुलाम कहलथि जे हुनकर पूर्वज काज तकैत मारीशस पहुंचलाह आओर ओकर निर्माण मे अपन योगदान देलथि आइ हम फेर बिहारक लोक स मारीशस मे काज देबाक वादा करैत छी. हम आशा करैत छी जे बिहार आओर मारीशस के बीच संबंध आओर मजबूत होइत आओर एक–दोसर के विकासक लेल दूतरफा मदद केल होइत.

समाद, पटना, 29 फरवरी, 2008

विकासक बाट पर बिहार

आर्थिक सवेक्षण–2008 में राज्य के हालात सुधरबाक दावा, आर्थिक रूप स मगध मिथिला स मजबूत

पटना : वित्तमंत्री सह उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी बिहार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट–2008 पेश केलथि. लगातार दोसर साल इ रिपोर्ट पेश करि नीतीश सरकार राज्यक वास्तविक स्थिति स लोक के परिचय करेबाक प्रयास केलक. आर्थिक रिपोर्ट में मूल रूप स कहल गेल अछि जे बिहार आब स्थिर नहि अछि, बलिक विकरसक बाट पर चलि रहल अछि. अनेक क्षेत्र मे विकास जमीन पर देखल जा सकैत अछि, जखन कि किछु क्षेत्र मे एखनो काज करबाक जरूरत अछि. रिपोर्ट मे साफ तौर पर कहल गेल स प्रशासनिक ढांचा छोट केला स राज्य के फायदा भेल. राज्य प्रशासनिक आयोगक अनुसार राज्य सरकार प्रशासनिक ढांचा के और कम करबाक प्रयास करि रहल अछि, जाहि स सरकारी काज मे गतिशीलता आउत आओर लालफीताशाहीक प्रभाव कम होइत. बिहार मे राज्य सूचना अधिनियम–2006 लागू करि देल गेल अछि. एकर संगहि बिहार देशक पहिल राज्य बनि गेल, जे काल सेंटर के माध्यम स लोक के सूचना देबा मे सक्षम अछि. जनता दरबारक उल्लेख करैत रिपोर्ट मे कहल गेल अछि जे मुख्यमंत्रीक एकल प्रयास स राज्य मे अपराधक ग्राफ काफी नीचा आयल अछि. आर्थिक सर्वे मे बाढ़ के सबसे पैघ समस्या बतेबाक संगहि पिछला बाढ़ मे राहत कार्यक्रम चलेबा मे प्रशासनक चुस्ती क प्रशंसा कैल गेल अछि. रिपोर्ट मे कहल गेल अछि जे राज्य मे आब सरकार नामक संस्था प्रभावी रूप स देखबा मे आबि रहल अछि. योजना के क्रियान्वयन तेजी स भ रहल अछि. जहां तक सवाल आधारभूत संरचनाक अछि, बिहार मे एकरा लेल पैघ पूंजी आ लंबा समय लागत. ओना सड़कक क्षेत्र मे काफी काज भ रहल अछि. बिजली क्षेत्र मे एखन बहुत किछु हैब बाकी अछि. उद्योगक क्षेत्र मे चीनी उद्योग स बिहार के काफी उम्मीद अछि. बंद 10टा मील नीजि हाथ के सौंपल गेल अछि. शिक्षाक क्षेत्र मे परिणाम सामने अछि. शिक्षक नियुक्तिक दोसर चरण चालू अछि. नव आइटीआइ आओर पोलीटेकनीक खोलल जा रहल अछि. उच्च आ तकनीकी शिक्षा पर सरकारक प्राथमिक शिक्षाक समान ध्यान अछि. खेती एखनो पटरी स नीचा अछि. खाद्यन्न उत्पादन कम भ रहल अछि.मुदा खेत मे उर्वरकक खपत बढ़ि रहल अछि. कुल मिला के देखला पर बिहार आगू बढ़ि रहल अछि, मुदा आगू जेबाक गति दक्षिण मे बेसी आओर उत्तर मे कम अछि. अर्थात मगध एखनो आर्थिक रूप स मिथिला स बहुत आगू अछि.

उद्योग आ सेवा क्षेत्र मे पाछु

बिहार के अर्थव्यवस्थाक विकासक गति कम हेबाक मुख्य कारण द्वितीयक आओर तृतीयक क्षेत्रके कमजोर होयब अछि. उल्लेखनीय अछि जे प्राथमिक क्षेत्र मे बिहार देशक औसत 2.61 क अपेक्षा 2.84 वृद्धि दर पौलक अछि. खाद्यन्न उत्पादन मे कमीक बावजूद प्राथमिक क्षेत्र मे इ उपलब्धि प्रशंसाक गप अछि. मुदा उद्योग आओर सेवा क्षेत्र मे समुचित विकास नहि भेलक कारण सकल घरेलू उत्पाद मे भारी अंतर प्रकट भ रहल अछि.

अलाभकारी होइत खेती

बिहार मे खेतीक तरीका अन्य राज्य स भिन्न अछि. एक फसली जमीन पर खेती करबाक प्रवृति घटल अछि, आओर एहन जमीनक गैर खेती मे काज लेल जा रहल अछि अथवा साल भरि परती रहल. दू फसली जमीन पर सेहो कम खेती भेल. दू स बेसी फसल उपजावाला खेत सेहो हल कम चलल. कुल मिला के खेत स खाद्यान्नक उत्पादन अपेक्षाकृत कम भेल. आ लोक खेती के अलाभकारी मानी आन काज मे खेतक उपयोग करबा लेल विवश भ गेलाह अछि.

खाद्यन्न उत्पादन मे कमी

राज्य मे खाद्यान्नक उत्पादन मे 26.04 फीसदीक कमी दर्ज कैल गेल अछि. तहिना खाद्यान्न लेल उपयोग कैल जा रहल खेतक क्षेत्रफल मे सेहो कमी दर्ज भेल अछि. पिछला सालक अपेक्षा एहि साल 7.90 फीसदी कम जमीन पर खाद्यान्नक उत्पादन केल गेल. ओना नीक बीजक मांग बिहार मे काफी दिन स अछि, लेकिन इ मांगक पूर्ति लेल सरकार पिछला दू साल स गंभीर भेल अछि. एकरा बावजूद बिहार एखनो देशक सबसे कम बीच प्रतिस्थापन करैयवाला राज्य अछि.

पंचायत भेल क्रियाशील

राज्य सरकार प्रशासनीक ढांचा के मजबूत करबा लेल पंचायत स्तर पर प्रशासन के स्थापित करबा लेल अनेक उपाय केलक अछि. पंचायत के अधिकारक संगहि आर्थिक रूप स मजबूत बनाउल गेल अछि. त्वरित न्याय के लेल ग्राम कचहरीक स्थापना कैल गेल अछि. कचहरी लेल न्यायमित्रक नियुक्ति कैल गेल अछि. एकर संगहि महिला के आधा आरक्षण देला स अनियमितता पर सेहो काबू पाउल जा रहल अछि. आब पंचायत स्तर के योजना सीधा गाम पहुंच रहल अछि.

बिजलीक लेल अनेक प्रस्ताव

बिहार मे बिजली एकटा पैघ समस्या अछि. एकर निराकरण लेल सरकार आओर निजी स्तर पर अनेक प्रयास कैल जा रहल अछि. बिहारक बटबारा मे 70 फीसदी बिजली उत्पादन केनिहार संयंत्र झारखंड मे चल गेल. आब सरकार पन बिजली स ल के आणविक बिजली तक उत्पादन करबा लेल प्रयासरत अछि. कोसी सहित सबटा पैघ नदी मे छोट–छोट संयंत्र लगा के एक स पांच मेगावाट बिजलीक उत्पादन करबाक प्रस्ताव अछि. मुकेश अंबानी देशक पहिल सौर आधारित बिजली संयंत्र बिहार मे लगउताह. नवीनगर आ बांका मे सेहो थर्मल संयंत्र लगाउल जा रहल अछि. कुल मिला के 11वीं योजना मे बिहार एकटा बिजली उत्पादक राज्य बनि जाइत.

तकनीकी व प्रबंध शिक्षा पर जोर

सरकार तकनीकी व प्रबंध शिक्षा पर काफी जोर दरहल अछि. पटना मे प्रबंधन संस्थान खोलबाक निर्णयक संगहि राज्य मे आइटीआइ व पोलीटेकनीक जाल बिछा रहल अछि. दरभंगा सहित चारि टा बंद इंजीनियरिंग कॉलेज सेहो खुली रहल अछि.

मानव विकास मे बिहार सबसे नीचा

समदिया

पटना : मानव विकासक मामले मे बिहार एखनो देश मे सबसे नीचा अछि. साक्षरता दर मे सेहो बिहार देशक औसत स काफी नीचा अछि. लाख प्रयासके बावजूद बिहार मे साक्षरता दर 47 फीसदी तक पहुचल अछि. जे देशक साक्षरता दर से काफी कम अछि. बिहार मे बालिका शिक्षा सेहो काफी कमजोर अछि. एकरा ठीक करबा लेल सरकार अनेक योजना चला रहल अछि. राज्य सरकार अगस्त, 2006 मे समान स्कूल प्रणाली लेल एकटा आयोगक गठन केने छल, जेकर रिपोर्ट आबि गेल अछि आओर सरकार ओकरा के लागू करबा लेल तैयार अछि. रिपोर्टक अनुसार 2012–13 तक बिहारक प्राथमिक शिक्षा सर्वव्यापी भ जाइत. तहिना 2016–17 तक माध्यमिक आआ. ेर उच्च शिक्षा के सर्वव्यापी बनेबाक लक्ष्य निर्धारित कैल गेल अछि.

जनसांख्यिकी सूचक सेहो बिहार के नीक नहि अछि. बिहार मे जन्म दर देशक जन्म दर 23.8 फीसदीक मुकाबले 30.4 फीसदी छल, जखन कि मृत्यु दर 8.1 फीसदी छल जे देशक दर स काफी बेसी छल. बिहार मे बाल मृत्यु दर सेहो चिंताजनक अछि. देशक 29.3 फीसदीक मुक. ाबले बिहार मे बाल मृत्यु दर 34.7 फीसदीक उच्च स्तर पर अछि. कुल मिला के कहल जा सकैत अछि जे बिहार के पटरी पर अनबा मे एखन कई साल लागत ओना जाहि रूप मे काज भ रहल अछि, ओहि स लक्ष्य किदु पहिने पाबि सकैत छी.

निवेशक अनेक प्रस्ताव, ठोस निर्णय

समदिया

पटना : बिहार मे सकल घरेलू उत्पाद मे औद्योगिक क्षेत्रक हिस्सा मात्र 5.4 फीसदी अछि. 20.1 फीसदीक देशक औसतक मुकाबले इ काफी कम अछि. एकर बावजूद बिहार मे आइल निवेशक प्रस्ताव स उम्मीद बरकरार अछि. बिहार मे अनि. बंधित उद्योगक संख्या कुल संख्याक आधा अछि. ओना सरकार एकरा लेल अनेक योजना तैयार केलक अछि आ ओकर प्रणाम सामने आबि रहल अछि.

बिहार मे खाद्य, पेय आओर तंबाकू मुख्य उद्योगक रूप मे विकासित कैल जा सकैत अछि आ सरकार एकरा लेल प्रयासरत अछि. ओना बंद चीनी मिल के खोलबाक निर्णय राज्यक औद्योगिक गति के तेज करबा मे मददगार होइत. राज्य मे औद्योगिक ईकाई के असामान्य वितरण सेहो एकरा मुख्य चिंता अछि. अधिकतर ईकाई पटना आओर एकर आसपास लगाउल गेल अछि अथवा लगाउल जा रहल अछि. राज्यक 10 टा जिला मे त कोनो औद्योगिक इकाई स्थापित नहि भ सकल अछि, जखन कि 11टा जिला मे पांच या पांच स कम ईकाई स्थापित अछि. एकर अलावा गैर कृषि आधारित उद्योगक संख्या बिहार मे नहि के सामान अछि. बरौनी तेलशोधक कारखाना के अलावा दोसर कोनो कारखाना खुलल नहि अछि. चमड़ा आ कपड़ा उद्योग लगभग खतम भ चुकल अछि. सरकार एहन गैर कृषि उद्योग के बढ़ावा देबा लेल योजना तैयार केलक अछि.

पेज एकक बाकी अंश

फेर त किछु ककरो बुझबा मे नहि आयल. पुलिस एक–एक टा गामवाला के चुनि–चुनि के पिटलक. दुनिया भरि के मीडिया बैठक के छोड़ि पुलिस लाठीचार्ज के प्रचारित करय लागल. एहन खबरि देश आओर विदेश मे आसानी स बिका जाइत अछि. दरअसर एहन घटनाक पाछु मीडियाक बहुत पैघ हाथ रहल अछि. सड़क दुर्घटनाक बाद बस अथवा ट्रक मे आगि लगेबा लेल स्थानीय फोटोग्राफर आओर चैनलक पत्रकार आम जनता के उकसाबैत रहला अछि. नीतीश राज मे बिहारक बदलैत छबिक कारण अनेक पत्रकार के रोजी–रोटी पर संकट छैन. हंगामा नहि होइत त अखबार कोन फोटो छापत, टीवी न्यूज मे कोन बाइट चलत? दरअससल बिहार के नीक समाचार स टीआरपी नहि बढ़ैत अछि, एहन मे किछु–न–किछु हंगामा करबा लेल किछु पत्रकारो परदाक पाछु स योजना बनबैत रहैत छथि. पिलखीक घटनाक पाछु मे सेहो किछु तेहने पत्रकार सब छलथि. जे ब्रेकिंग न्यूज के तहत भारत मे इ मैसेज देबा मे सफल रहलथि जे बिहार मे एखनो किछु नहि बदलल अछि. नालंदा विवि के फेर स जीवित करबाक प्रयास आओर डॉ कलाम के एकर विजीटर बनेबा मे सफल भेलाक बावजूद नालंदाक जनता के भरी दुनिया लग एक बेर फेर बिना अपराध के आरोपित बना देल गेल. सवाल उठैत अछि जे कियो इ जनबाक प्रयास किया नहि केलक जे प्रदर्शन केनिहार के छलाह, हुनका प्रदर्शन करबा लेल के प्रेरित केलक. आखिर जिलाधिरी सीएम पर हमला सन सूचना के नुकेबाक प्रयास किया केलथि. एतबै नहि स्थानीय मीडिया के छोड़ि पूरा भारत मे मुख्यमंत्री पर नालंदा मे हमलाक संग–संग ओ कार्यक्रमक जिक्र किया नहि कैल गेल जाहि मे मुख्यमंत्री आओर कलाम सन लोक भाग लेबा लेल नालंदा गेल छलाह. अगर ओ कार्यक्रम उल्लेखनीय नहि छल त पूरा मीडिया ओहि ठाम जमा किया छल?

गया कालेज देशक टाप 10 मे शामिल

गया : गया कालेज, गया देशक टाप 10 कालेज मे शमिल भ गेल अछि. नेक क तीन सदस्यीय टीम गया कालेज के 24 विभिन्न पहलुक जांच–पड़तालक बाद ग्रेड–ए म शमिल करबाक फैसला केलक अछि. मगध विश्वविद्यालय, बोधगया क प्रमुख महाविद्यायल कालेज आफ गया आब देशक सर्वश्रेष्ट 10 टा कालेज में शामिल भ गेल अछि. कालेजक प्रचार्य डा मदन मुरारी नैक द्वारा कालेज के नीक अंक देबा लेल आ ग्रेड–ए स अलंकृत करबा पर खुशी व्यक्त कैलथि अछि. श्री मुरारी कहलथि जे इ उपलब्धि कालेजक शिक्षक आओर शिक्षकेतर कर्मचारीक संग–संग छात्र–छात्राक सबहक कठिन मेहनतक सकारात्मक पहल परिनाम छी. श्री मुरारी एहि लेल कालेजक शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, छात्र–छात्रा सब के बधाई देलथि. श्री मुरारी कहलथि जे इ उपलब्धि केवल महाविद्यालयक लेल सम्मानक गप नहि अछि. कालेज के भेटल ग्रेड स मगध विविक सेहो मान बढल अछि, संगहि राज्यक मान सेहो बढल अछि. श्री मुरारीक अनुसार 57 एकड़ मे स्थापित इ कालेज के ग्रेड–ए भेटला स राज्य मे बदलैत शैक्षणिक माहौल के प्रमाण भटल अछि.